विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 4 से 10 सितंबर 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 15 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

कई बार गलत व्यक्ति को जीवन में अत्याधिक महत्व देने के बाद सुख की बजाय दुःख अधिक होता है. लेकिन ऐसे लोगों का धन्यवाद ज्यादा मानना चाहिए, क्योंकि उनके माध्यम से आपको यह सीखने का मौका मिलता है कि जहां विश्वास अधिक होता है, वहीं से घात होने पर तुम जीवन में सही लोगों के चयन का प्रयास करते हो. धन-दौलत आती जाती रहती है लेकिन सच्चे और अच्छे रिश्तों से मिलने वाली खुशी करोड़ों की सम्पत्ति से अधिक कीमती होती है. यह पैसों में नहीं तौल सकते हैं.

बगाजी सागर के खोले गए 25 गेट

विदर्भ स्वाभिमान, 27 अगस्त

धामणगांव रेलवे-जिले में लगातार बारिश शुरू रहने के कारण तहसील के बगाजी बांध के 25 दरवाजों को प्रशासन द्वारा खोल दिया गया है. इसके माध्यम से जहां पानी निकासी हो रही है, वहीं आसपास के गांववासियों को सतर्क किया गया है. लगातार बारिश के कारण जिले के सभी बांधों में जबर्दस्त जलभंडार होने के कारण लोगों को सतर्क किया गया है. प्रशासन ने भारी बारिश की चेतावनी जारी कर दी है.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

शिक्षक ही होते हैं राष्ट्र के भाग्यविधाता

शिक्षक दिवस पर विशेष प्रस्तुती, लाखों छात्रों को संवारते हैं,गुरू होते हैं माता-पिता समान

विदर्भ स्वाभिमान

शिक्षक दिवस पर नमन 94232426199

अमरावती- जीवन में माता-पिता के अलावा गुरु का सर्वाधिक महत्व होता है. किसी भी देश की प्रगति में उस देश के शिक्षकों का सबसे बड़ा योगदान होता है. यही कारण है कि शिक्षक या गुरु को माता-पिता के साथ परमात्मा के समकक्ष बताया गया है. भारतीय संस्कृति में शिक्षक का अनन्य साधारण महत्व सर्वत्र दिखाई देता है. गुरुकुल से लेकर शुरू हुआ यह सिलसिला आज कॉन्वेंट तथा बड़े-बड़े विद्यालयों के रूप में भले ही परिवर्तित हो गया है लेकिन आज भी शिक्षकों को लेकर अपार सम्मान समाज में तथा राष्ट्र में शिक्षक जहां ज्ञान का प्रकाश देते हैं वहीं शिक्षक ही हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं. विदर्भ स्वाभिमान देश के करोड़ भाग्य विधाता शिक्षकों को नमन करता है और कुछ विवादों को छोड़कर यह कामना करता है कि अपने कार्यों से शिक्षक समाज तथा देश के समक्ष का अंधेरा खत्म करेंगे और ज्ञान की रोशनी से छात्रों का जीवन प्रकाशमान करने में सफल होंगे. भारत को युवाओं का देश कहा जाता है और युवाओं की यह ताकत जब आदर्श शिक्षकों के सानिध्य में बेहतरीन नागरिक के रूप में सामने आती है तो निश्चित तौर पर ऐसा कुछ संभव नहीं है जो शिक्षकों के मार्गदर्शन में वर्तमान युवा पीढ़ी नहीं कर सके. शिक्षक दिवस हर वर्ष 5 सितंबर को पूरे देश में बड़े ही आदर और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है. यह दिन भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान दार्शनिक और आदर्श शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है. उन्होंने अपना पूरा जीवन शिक्षा और ज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित किया.

भारतीय संस्कृति में गुरु को माता-पिता के समान ही सर्वोच्च स्थान दिया गया है. कहा गया है गुरु बिन ज्ञान नहीं. शिक्षक ही हमें सही मार्ग दिखाते हैं, जीवन के मूल्य सिखाते हैं और हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं. वे केवल पाठ्यक्रम की शिक्षा ही नहीं देते हैं शेष पेज 2 पर

झुकी सरकार, मराठा समाज की 6 मांगों को किया मंजूर

विदर्भ स्वाभिमान,3 सितंबर

मुंबई/अमरावती- मराठा समाज द्वारा किया गया आंदोलन सफल रहा और मनोज जरांगे के नेतृत्व में जारी मराठा आरक्षण आंदोलन को बड़ी सफलता मिली है. राज्य सरकार ने झुकते हुए मराठा समाज की प्रमुख 6 मांगों को मंजूर करते हुए इस बारे में बड़ा कदम उठाया है. इसे जहां मराठा समाज की एकता की जीत माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसे समाज की एकता तथा बेहतरीन नेतृत्व की भी जीत बताया जा रहा है.

मुंबई में आजाद मैदान पर शुरू आंदोलन के कारण जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया था. मनोज जरांगे अपनी 8 मांगों को मनवाने पर डॉटे हुए थे. मनोज जरांगे पाटील की 8 में से 6 मांगें मंजूर की गई हैं. सरकार ने मराठवाड़ा अंचल में हैदराबाद गजेटियर के आधार पर मराठा समाज के व्यक्तियों को कुनबी मराठा प्रमाणपत्र देने का फैसला किया है. जरांग से आजाद मैदान में मराठा आरक्षण के लिए गठित राज्य मंत्रिमंडल उपसमिति के अध्यक्ष राधाकृष्ण विखे पाटील ने मुलाकात कर उन्हें सरकार द्वारा लिए गए फैसले की जानकारी दी. इस बीच बड़ी जीत पर मराठा समाज के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया और इसका आगामी निकाय चुनाव में लाभ की संभावना है. मराठा समाज की एकता की जीत सराहनीय है.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 29वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

इनके भाग्य में ही सदा रहता है क्यों अंधेरा

अमरावती जिले के मेलघाट के साथ ही देश में लाखों ऐसे आदिवासी तथा इससे जुड़ी जातियां हैं, जो आजादी के इतने साल बाद भी अंधेरे में ही जीने के लिए विवश हैं. क्षेत्र की समस्याओं के साथ ही उनके नसीब में कब उजाला आएगा, यह अभी तक पता नहीं चल सका है. कई गांवों में आज जहां बिजली नहीं पहुंची है, वहीं हजारों गांव ऐसे भी हैं, जहां अभी तक शुद्ध जलापूर्ति नहीं हो सकी है. ऐसे में सवाल यह पैदा होता है कि आजादी के बाद जिस तरह के देश की कल्पना हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने की थी, क्या वह देश अभी तक नहीं बन पाया है, जिसमें गरीब-अमीर सभी के साथ एक जैसा व्यवहार होगा और सभी को प्रगति का मौका सरकार द्वारा दिया जाएगा. मेलघाट, चिखलदरा, धारणी क्षेत्र में कई ऐसे गांव हैं, जहां तक आज भी पैदल जाना मुश्किल है. जबकि सच्चाई यह है कि इन क्षेत्रों के विकास के मामले में स्वयं सरकार अत्याधिक गंभीर है और एनजीओ भी आदिवासी कल्याण के नाम पर करोड़ों रूपए जुटा रहे हैं लेकिन यह रूपया कहां जा रहा है, इसकी सबसे पहले तो गहन जांच की जरूरत है. बिना रोड बने ही उसका बिल मंजूर होने जैसे चमत्कार ऐसे क्षेत्रों में दिखाई देते हैं.मेलघाट क्षेत्र समस्याओं से जूझ रहा है. यहां पर कुपोषण और शिक्षा के लिए सरकार द्वारा करोड़ों स्पए पानी की तरह बहाया जा रहा है लेकिन विडंबना यह है कि आज भी यहां के बच्चों को और शिक्षकों को हाथ में जुटे और कंधे पर पतलून रखकर विद्यालय तक पहुंचाना पड़ता है. मेलघाट के 22 गांव में आज भी अंधेरा है ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आजादी के बाद भी इन गरीब आदिवासियों को सविधा का हक नहीं है. चिखलदरा तहसील की एकताई ग्राम पंचायत के अंतर्गत खूटीदा और सुमीता सहित 22 गांव में अंधेरा है. यहां के जिला परिषद स्कूल में गत दिनों जिला परिषद की सीईओ संजीता मोहापात्र ने भेंट दी थी और इस विद्यालय के पांच शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया था. उन शिक्षकों का कहना था कि यहां इस कदर बदहाली है कि विद्यालय तक पहुंचना उनके लिए कोई युद्ध जीतने जैसा है.

मेलघाट में करोड़ों स्पए खर्च होने के बाद भी आज भी अगर मेलघाट बादल है तो निश्चित तौर पर यह वहां के जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की नाकामी है. अगर प्रशासन ने मेलघाट में सुविधाओं पर ध्यान दिया होता तो किसी शिक्षक को जूते चप्पल हाथ में लेकर स्कूल नहीं जाना पड़ता था. यहां की खंडू नदी में आई बाढ़ के कारण शिक्षकों की यह स्थिति कितनी खतरनाक है बावजूद इसके उनका समर्पण शिक्षा के प्रति कितना है इसका अनुभव क्षेत्र वासियों को है. प्रशासन की वरिष्ठ अधिकारी एक दो बार दौरा करते हैं लेकिन मेलघाट के लोगों को इन समस्याओं से रोज जूझना पड़ता है.22 गांवों में अंधेरे के साथ ही आज भी गांव तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं है. शिक्षा की स्थिति भी सुधारने की तत्काल जरूरत है.

रूस रहा है विश्वनीय मित्र भारत का

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

भारत की रस के साथ दोस्ती पूरे विश्व में मिसाल दी जाती है. रूस भारत का ऐसा विश्वसनीय साथी है जो भारत की दिक्कतों के समय सबसे पहले खड़ा होता है. यही कारण है कि पाकिस्तान को चीन द्वारा भरपूर मदद दिए जाने के बाद भी चीन में क्षेत्रीय वैश्विक संगठन के मंच पर जिस तरह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक दूसरे के साथ नजर आए और उनके साथ चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग में देते हुए यहां पर जिस तरह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को अलग-अलग कर दिया गया और इसकी तस्वीर न्यूयॉर्क टाइम्स से लेकर दैनिक भास्कर तक प्रकाशित हुई वह हर भारतीय के लिए गर्व की बात है और भारत किस तरह से पूरे विश्व के समक्ष तेजी से न केवल विकास के मार्ग पर अग्रसर है बल्कि वह सबसे बड़ी ताकत के रूप में भी आगे बढ़ रहा है यह स्थिति देखकर निश्चित ही हर भारतीय को गर्व होना चाहिए.

चीन में हुए इस शिखर सम्मेलन के दौरान जहां रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने 10 मिनट तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इंतजार किया वहीं दूसरी ओर यह दोनों नेता 50 मिनट तक कार में भी किस तरह की गुप्त चर्चा की इसके चलते अमेरिका के कान खड़े हो गए. अमेरिका के दादागिरी को जहां इससे झटका लगा है वहीं दूसरी ओर भारत ने भी स्पष्ट कर दिया है कि रूस उसका विश्वसनीय साथी था और सदा रहेगा. शिखर परिषद भले ही चीन में हुई लेकिन यहां पर जिस तरह से भारत की ताकत का प्रदर्शन हुआ और संगठन के सभी देशों ने पहलगाम हमले की निंदा की चीन रूस सहित नव सदस्यों ने पहलगाम हमले का निषेध किया यह निश्चित ही हर भारतीय के लिए गर्व की बात है. तेजी से बदलता भारत अब अपने दुश्मन को जहां मुंह तोड़ जवाब देने के लिए सक्षम है वहीं दूसरी ओर विश्व स्तर पर भारत का बढ़ता सम्मान इस बात का परिचायक है कि अब यह भारत नहीं रहा जिसमें संसद भवन पर हमला करने वाले आतंकवादी खुले रहे और वह हरकतों को अंजाम देते रहें यह वह भारत है जहां ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाता है. वर्तमान स्थिति में यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत अपने दुश्मनों के घर में घुसकर उन्हें तबाह करने की ताकत रखता है इसका दर्शन चीन की धरती पर हुए शिखर परिषद के दौरान पल-पल दिखाई दिया. चीन में हुई इस परिषद ने भारत को जहां कूटनीतिक जीत प्रदान की वहीं दूसरी ओर ट्रंप टैरिफ को करारा जवाब देते हुए यह स्पष्ट संदेश भारत ने अमेरिका को दे दिया. इस माध्यम से विश्व स्तर पर जो नया समीकरण बन रहा है वह समीकरण निश्चित ही अमेरिका के लिए सर दर्द साबित होगा. सबसे अहम बात यह रही कि यह बैठक ट्रंप टैरिफ के दौर में हुई ऐसे में इस बैठक को ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है. भारत और रूस की दोस्ती आज भी न केवल बरकरार है बल्कि यह लगातार मजबूत होने का प्रदर्शन भी इस शिखर परिषद के दौरान किया गया. विश्व के मंच पर जहां भारत ने पाकिस्तान के आतंकवाद को बेनकाब किया वहीं दूसरी ओर जिस तरह से रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने इस परिषद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अत्यधिक घनिष्ठता का प्रदर्शन किया उसकी भी सराहना की जानी चाहिए. अमेरिका को समझ लेना चाहिए कि भारत आज विश्व का सबसे बड़ा बाजार है और अगर भारत लगातार मिसाइल सहित अन्य अस्त्र-शास्त्र बनाने में जिस तरह से माहिर हो रहा है उसके चलते तारीफ के विवाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जिस तरह से अमेरिका के साथ किया गया डील रद्द किया गया अगर सभी देश अमेरिका के खिलाफ एकजुटता का प्रदर्शन करें तो निश्चित तौर पर अमेरिका की हेकड़ी को लगाम लगाने में मदद मिलेगी. भारत ने चीन में शक्ति प्रदर्शन करते हुए अमेरिका को यही संदेश दिया.

शिक्षक ही होते हैं राष्ट्रनिर्माता

पेज 1 से जारी- बल्कि जीवन जीने की कला, अनुशासन, नैतिकता और कर्तव्यनिष्ठा का भी मार्गदर्शन करते हैं.कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर यह दिन विद्यार्थियों को अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर देता है.शिक्षक की भूमिका की याद समाज में शिक्षक के योगदान और उनकी जिम्मेदारियों को याद दिलाता है.शिक्षक दिवस से यह प्रेरणा मिलती है कि ज्ञान ही वह साधन है, जिससे जीवन को सफल और सार्थक बनाया जा सकता है.

नैतिक मूल्यों का संदेश शिक्षक दिवस देता है. छात्रों को जहां शिक्षकों का सदा सम्मान करना चाहिए, वहीं शिक्षकों का आचरण इस तरह आदर्श होना चाहिए, जो लोगों के लिए प्रेरणादायी हो. समय के साथ आज गुरूकुल परम्परा नहीं रही है लेकिन समय के इस चक्र के दौरान आज भी लाखों ऐसे शिक्षक हैं, जिन्हें अपार बड़ी संभावना रहने के बाद भी पीढ़ियों के लिए शिक्षक बने और लाखों छात्रों के जीवन को संवार रहे हैं. मुझे लगता है कि मैं भाग्यशाली हूं कि सीनियर

बेसिक विद्यालय धौरहरा के हमारे गुरूजनों के साथ ही अमरावती में शिक्षा के दौरान श्री गणेशदास राठी विद्यालय के सभी शिक्षकों , बाद में महाविद्यालयीन शिक्षा के दौरान श्रीमती केशरबाई लाहोटी और भारतीय महाविद्यालय के हमारे सभी गुरूजनों ने बेहतरीन मार्गदर्शन करते हुए जीवन में संवेदनशील, समझदार और संस्कारों से युक्त व्यक्ति बनाने में भूमिका निभाई. गांव में आज भी शिक्षकों को माता-पिता तुल्य माना जाता है. निश्चित तौर पर शिक्षकों का यह सम्मान जहां हमें प्रेरणा देता है, वहीं एक शिक्षक ही है, जो लाखों छात्रों के जीवन में उजियारा लाता है. शिक्षक दिवस पर ऐसे तमाम शिक्षकों को नतमस्तक हूं और उनके चरणों में नमन करता हूं.

शिक्षक दिवस वास्तव में केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारे गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान है. यह हमें याद दिलाता है कि समाज और राष्ट्र की प्रगति में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. इसलिए हर विद्यार्थी का कर्तव्य है कि वह अपने शिक्षक का सम्मान करे और उनके बताए मार्ग पर चलने का सदा प्रयास करें. शिक्षक दिवस पर छात्रों की ओर से यही गुरु दक्षिणा गुरुजनों को होगी समस्त शिक्षक स्वस्थ रहें मस्त रहें और देश को दिशा देने का कार्य करते रहें, आज शिक्षक दिवस पर हम यही कामना करते है. देश के करोड़ों शिक्षकों को हम नमन करते हैं.सभी शिक्षकों का सदा सम्मान करें और शिक्षक सही गुरू बनें.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

राष्ट्र का मजबूत आधार होते हैं शिक्षक, उनका सम्मान करें

पोद्दार इंटरनेशनल के प्राचार्य सुधीर महाजन ने कहा

शिक्षक निर्माण करते हैं देश की आदर्श युवा पीढ़ी

अमरावती - किसी भी देश की ताकत उसकी युवा पीढ़ी होती है. आदर्श पीढ़ी का निर्माण करने का दायित्व शिक्षकों पर होता है. ऐसे में राष्ट्र का सबसे मजबूत आधार शिक्षक होते हैं. ऐसे में शिक्षकों का जहां सदा सम्मान होता है, उस देश को कभी किसी बात की कमी नहीं रहती है. इस आशय का मत पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल इंदौर के प्राचार्य सुधीर महाजन ने व्यक्त किया. छात्र शिक्षा तथा उनका भविष्य संवारने के लिए सदा तत्पर रहने वाले और अभी तक तीन दर्जन से अधिक पुरस्कार प्राप्त सुधीर महाजन के मुताबिक शिक्षक का स्थान माता-पिता के साथ ही प्रभु के समकक्ष बताया गया है. वह लाखों पीढ़ियों का निर्माण करता है. यही कारण है कि शिक्षक राष्ट्र का निर्माता के साथ ही भाग्यविधाता कहना गलत नहीं होगा.

ग़ुरूजनों के सम्मान का अनन्यसाधारण महत्व है. यही कारण है कि अमेरिका, जापान सहित विश्व के हर देश में शिक्षकों यानी गुरूजनों को अत्याधिक सम्मान दिया जाता है. गुरूजनों का जिस देश में सम्मान होता है, पूरे विश्व में उसी देश का मान-सम्मान होता है. शिक्षक दिन केवल एक दिन नहीं बल्कि यह भारतीय संस्कृति,संस्कारों में गुरूजनों के महत्व को इंगित करने वाला दिन होता है. शिक्षक हमारे जीवन के भाग्यविधाता होते हैं. माता-पिता के बाद शिक्षक ही है, जो बच्चों का भविष्य संवारने में अपना जीवन समर्पित कर देता है. ऐसे शिक्षकों का हर हाल में सम्मान होना चाहिए. तभी हमारा देश पूरे विश्व में महासत्ता बन सकेगा. इस आशय का प्रतिपादन सुख्यात शिक्षाशास्त्री, छात्रों की तरक्की के लिए पूरा जीवन समर्पित करने वाले पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य सुधीर महाजन ने किया.

शिक्षक दिन 5 सितंबर के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान द्वारा संपर्क किए जाने पर उन्हों ने बताया कि शिक्षा में आमूलाग्र बदलाव हो रहा है. किसी भी देश की प्रगति में शिक्षकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान रहता है. बात चाहे आदर्श संस्कार की हो, बच्चे के उज्वल भविष्य की हो. माता-पिता के बाद बच्चों के आकार देने का कार्य शिक्षक ही करते है. माता-पिता के बाद बच्चों का जीवन संवारने का जो कार्य करता है, उसका भी जीवन में अनन्यसाधारण महत्व है. इसलिए हमें हमारे माता-पिता इतना सम्मान ही गुरूजनों को देना चाहिए. शिक्षा ही ऐसी ताकत है जो इन्सान को देव बनाने में भी सक्षम है. यही कारण है कि समय के साथ चलते हुए बच्चआज काफी आगे निकल चुके है. शिक्षक दिन पर प्राचार्य सुधीर महाजन ने सभी गुरूजनों के प्रति आदर जताने के साथ ही सभी शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी. अमरावती पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल के 13 साल तक प्राचार्य रहने वाले सुधीर महाजन ने गणेशोत्सव के साथ ही शिक्षक दिवस पर लाखों शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख,समृद्धि और बेहतरीन स्वास्थ्य की कामना भी की है. इंदौर में भी उन्होंने अपार लोकप्रियता प्राप्त की है.

सकारात्मक सोच दिलाती है जीवन में हर पल कामयाबी

डॉ.प्रांजल आर. शर्मा का मत, अच्छा करने वालों का बुरा नहीं होता

विदर्भ स्वाभिमान,3 सितंबर

अमरावती - जीवन में जो लोग दूसरों की चिंता करते हैं, दूसरों की मदद करते हैं,उनकी मदद करने वाली कोई अप्रत्यक्ष शक्ती होती है.सकारात्मक सोच और किया गया नेक काम जीवन में सदैव कामयाबी दिलाता है. इसलिए जितना संभव हो,सदा अच्छी सोच रखनी चाहिए. इसका न केवल दिमाग बल्कि शरीर पर भी असर पड़ता है. आप अच्छा सोचने के बाद आप का मन सदा प्रसन्न रहता है. लेकिन जो लोग जीवन में केवल नकारात्मक सोचते हैं, वे सदा परेशान रहते हैं. इस आशय का मत सुख्यात महिला रोग विशेषज्ञ,कई पुरस्कारों से सम्मानित डॉ.प्रांजल रा.शर्मा ने किया. उनके मुताबिक वे सदा अच्छी सोच के साथ काम करती है, इसका बेहतरीन नतीजा भी मिला है. हम सुख नहीं दे सकते तो दुःख किसी को नहीं देने का प्रयास करें.व्यक्ति की बजाय व्यक्तित्व को ऐसा निखारना चाहिए कि व्यक्ति भूलने के बाद आपका व्यक्तित्व कभी नहीं भूलना चाहिए.शर्मा मैटर्निटी हास्पिटल की संचालिका, जिला महिला रोग विशेषज्ञ संगठन की पदाधिकारी डॉ. प्रांजल शर्मा सफलतम डाक्टर के साथ ही संवेदनशील इन्सान के रूप में वे सुख्यात हैं.डॉ. प्रांजल शर्मा दर्जनों संगठनों के माध्यम से सामाजिक कार्यों में भी सदैव अग्रणी रहती है. 11 सितंबर को उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. वे कहती हैं कि हर व्यक्ति को केवल पैसे को ही महत्व नहीं देना चाहिए, बल्कि पैसे के साथ ही इन्सानियत को भी महत्व देने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने से निश्चित तौर पर बेहतरीन सुकून मिलता है. उल्लेखनीय सेवाओं के लिए राज्यपाल से सम्मानित हो चुकी डॉ. प्रांजल शर्मा परिवार नियोजन शस्त्रक्रिया के साथ ही महिलाओं को बेहतरीन स्वास्थ्य रखने के लिए जरूरी टिप्स देती हैं और सदैव मार्गदर्शन करती हैं. उनके मुताबिक महिलाओं को अपने स्वास्थ्य क़े बारे में सजग रहना चाहिए. खुश रहने का तथा खुशियां देने का प्रयास करना चाहिए.

साक्षात्कार

राजपुरोहित
फोटो स्टुडीओ
वेडिंग फोटोग्राफी
इवेंट फोटोग्राफी
इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी
HD व्हिडीओ शुटींग
इंस्टाग्राम रील
कॉफी मग प्रिंटींग
ड्रोन शुट
फोटो अलबम
मोबाईल प्रिंटींग
नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

गुरूवार 4 से 10 सितंबर 2025

मेष

ग़णेशोत्सव का पर्व आपके जीवन में खुशियां लाएगा और तमाम विघ्न दूर होकर दिक्कतें भाग जाएंगी. दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है. समय पर फैसला होगा लाभकारी.

वृषभ

भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे. दूसरों की भावनाओं का सम्मान करेंगे.रिश्तों में चल रही गलतफहमी दूर होगी. वाहन संभालकर चलाएं और नाहक विवाद से बचें.

मिथुन

अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.माता-पिता की सेवा से मुसीबतें दूर हो सकती हैं और भाग्योदय होगा.

कर्क

दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें . आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. रिश्तों को समझने का प्रयास करें, बेहतरीन रहेगा.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ

भक्तिभाव में बीतेगा समय और गणेशजी की कृपा से मुसीबतें दूर होने में मदद मिलेगी. समझदारी के साथ जिद करने से बचें . अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन

इस राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह बेहतरीन फलदायी रहने वाला है. वाहन से सावधानी बरतने के साथ काम पर ध्यान देना लाभदायी होगा.पारिवारिक तनाव से बचने और नाहक तनाव से बचने का प्रयास करें.

व्यायाम से मिलती है हमें मूल शक्ति

गतांक से जारी-अपान वायु ऊपर की तरफ अग्नि के साथ मिल जाती है.तब उनकी वृध्दि होती है. तब अग्नि पुरुषापान वायु प्राण वायु को प्राप्त करती है. इस प्रकार देह में पैदा होनेवाली अग्नि अत्यधिक प्रज्वलित होने से उसमें सोयी हुई कुडलिनी शक्ति तप कर जाग जाती है. लाठी से मारे सांप -स्त्री की तरह निश्वास छोड़ते हुए अच्छी तरह षुषुम्ना व्दार में प्रवेश करता है. फिर शांत होकर ब्रह्म नाड़ी के बीच में रह जाता है. इस प्रकार के अभ्यास से मूल शक्ति व्याप्त होती है . मध्य शक्ति जाग जाती है . ऊर्ध्व शक्ति का हनन नहीं होता है. वायु मध्य मार्ग से जाती है. इससे अलग मूल भाग व्याकोच होकर नाभि को दबाने से वह कमरबंध हो जाता है कंठ संकृचित होकर चुबुक को छाती से दबाने पर वह जलांधर बंध होता है. मूल का व्याकोच होने पर अपान वायु तेजी से उठती है तब हृदय के अंदर रहनेवाले प्राण उतरकर नाभि के अंदर कूंडलिनी से मिलते हैं . तब संकृचित नाभि को दबाने से प्राणापान से मिलकर साथ-साथ चलकर कंठ के पास रोकने से कुंडलिनी ऊर्ध्व की तरफ रेंगती है. वह मध्य बिल में घुसकर चिन्मयत्व को प्राप्त करता है.तब अंतराकाश निश्शब्द बन जाता है. कंठ में प्राणवायु फैलकर सर्व परिपूर्ण भावना प्राप्त होती है. इस प्रकार नाकुंचित कंठ निरोध होने पर अमृत अग्नि में न

गिरकर स्वानुभूति बन कर प्राणी को निश्चलानंद प्रदान करता है. इससे अलग.

अष्ट विध कुंभक

1. सूर्यभेदन कुंभक

वर योगी वज्रासन पर बैठकर वाम नाडि से अंदर कुंभक करने की तरह वायु को धीरे धीरे छोड़कर बाद में फिर दक्षिण नाडि से बाहर की वायु को धीरे-धीरे अंदर की तरफ खींचते तब केश से लेकर नख तक रोककर कुंभक करना चाहिए . वाम नाडि के व्दारा कपाल शोधन करना चाहिए. इससे क्रिमी वात बाधाएँ गूर होती हैं. हे देवी! यह सूर्य भेदन कुंभक है. फिर उंझाइ कुंभक के बारे सुनो.

2. उंझाइ कुंभक

अपने मुहँ को बांधकर अपनी नासिका रंध्रों से वायु को खींचकर कंठ में घोष करते हुए अंदर हृद्य को स्पर्श करते हुए अंदर ही प्राण को रोककर फिर अंदर से वायु को छोड़ना उंझाइ कुंभक है. इससे श्लेष्म का हरन होता है.जठराग्नि की वृद्धि होता है. धातुगत दोष धीरे-धीरे ठीक हो जाते हैं. चलते और बैठते इस उझाइ कुंभक को दिन में गुप्त रूप में बताऊँगा.

3. सीत्कार कुंभक

हे देवी! नासिका रंध्रों से करनेवाले सीत्कार कुंभक मुँह से करने से नींद भूख आदि का पता नहीं चलता है. मनुष्य स्वच्छंद शरीरवाला बनेगा . वह ऐसा है कि जीभ से गालों से वायु को सदा खांचते रहने से छः महीनों में सकल रोगों से मुक्त होकर योहिनी चक्र समान शक्तिमान बनता है. दूसरा वासुदेव बनता है. यह सीत्कार कुंभक है. और सीतली नामक कुंभक के बारे में बताऊँगा . सुनो.

4. सीतली कुंभक

योगी नासिका से धीरे-धीरे वायु को खींचकर पूर्व प्रकार से कुंभक करके नासिका रंध्रों से वायु को निकालना सीतली कुंभक है.इसे बहुरोग बाधाएँ दूर होती हैं.

5. भस्त्रिका कुंभक

अब भस्त्रिका कुभंक के बारे में बताऊँगा . सुनो . पद्मासन पर बैठ कर उदर और ग्रीव को सीधा करके मुँह अच्छी तरह बंद करके प्राण वायु को नाक से खीं चकर तीव्र गति से छोड़कर ब्रह्म रंध तक व्याप्त करके मेघ ध्वनि के साथ हृदय तक वायु को फैलाकर फिर उसे छोड़ कर फिर वायु को खीं चकर और छोड़कर तीसरी बार भी ऐसा ही करके रेचन करते हुए भट्टी की धौंकनी की तरह अंदर लेकर और बाहर छोड़कर वायु को बुध्दि के मार्ग से चलन करते रहना कभी थकावट महसूस होती है तो सूर्यनाडी व्दारा वायु को छोड़ने से थकावट महसूस होती है तो सूर्यनाडी व्दारा वायु को छोड़ने से थकावट दूर होती है. पेट शांत होता है. उंगलियों से नाक को बंद करके वायु का कुंभक करके छोड़ने से वात पित श्लेष्म दोष दूर हो जाते हैं .जठराग्नि की वृध्दि होता है. मल विमोचन भी होता है. ब्रह्म विष्णु रुद्र ग्रंथियों का भेदन भी होता है. यह अत्यंत सुखप्रद भस्त्रिका कुंभक हा. अब भ्रमरिका कुंभक के बारे में बाताऊँगा. तिरूपति बालाजी के चरणों का एक बार जिसे प्रेम हो जाता है, उसका जीवन जहां तर जाता है, वहीं जीवन की हर राह भी आसान हो जाती है. सभी के जीवन में अध्यात्म जरूरी होता है. यह अतिआवश्यक है.

शेष अगले अंक में

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-30, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

जिले में बारिश के कारण जनजीवन अस्तव्यस्त

अमरावती- जिले में लगातार जारी बारिश के कारण जनजीवन जहां अस्तव्यस्त हो गया है, वहीं दूसरी ओर लोगों को भी विभिन्न दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. मेघा नदी के पुल की सुरक्षा दीवार गायब होने से विसर्जन में सुरक्षा को लेकर लोगों को चिंता है. वहीं गणेश विसर्जन की तैयारियों के दौरान सुरक्षा दीवार की तत्काल मांग क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही है. कुल मिलाकर बारिश से फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है.

विदर्भ स्वाभिमान
आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

अमरावती/विदर्भ स्वाभिमान, 4 सितंबर-शिव पुराण समिति के सदस्य और हम सभी के चाहते सुधीर भाऊ हजारे, रविंद्र भाऊ इंगोले को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा केसरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था की ओर से बहुत सारी शुभकामनाएं. जन्मदिन पर उनका सत्कार करते मनोज चोरे तथा अन्य सहयोगी.सुधीर हजारे के साथ ही रवीन्द्र इंगोले सामाजिक के साथ ही धार्मिक कार्यों में सदैव अग्रणी रहते हैं. इतना ही नहीं तो सदा नेक कामों में दोनों का योगदान रहता है. श्री केसरीनंदन संस्था और विदर्भ स्वाभिमान की ओर से दोनों को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.आप दोनों की सभी मनोकामनाएं भोलेनाथ पूरी करें, यही कामना.

अहंकार छोड़कर क्षमाभाव अपनाने वाले का जीवन तर जाता है

जैन साध्वी आदर्शप्रभा व विरतीयशा म.सा. का प्रतिपादन,ओसवाल समाज की सामूहिक क्षमापना पर्व

विदर्भ स्वाभिमान, 3 सितंबर

अमरावती-जैन समुदाय पर्युषण पर्व के दौरान अंतीम दिन क्षमापना पर्व के रूप में मनाता है. जिस दिन वर्षभर में किये गये सभी गलतियों की क्षमायाचना करते हुए सभी से क्षमा मांगते हुए क्षमा करता है. क्षमा करना तथा क्षमा मांगना यह वीरों की पहचान होती है तथा जैन समाज यह एकमेव समाज है, जो अपने किए गए गलतियों के लिए क्षमा मांगकर तथा क्षमा देकर वीरों की श्रेणी में आता है. इस आशय का प्रतिपादन साध्वी शासनदीपिका श्री आदर्श प्रभा तथा साध्वी श्री विरतीयशा श्री जी ने व्यक्त किए. वे जैन स्थानक में आयोजित ओसवाल समाज के सामूहिक क्षमापना पर्व पर मार्गदर्शन कर रही थी. जैन परंपरा के अनुसार ओसवाल समाज बंधुओं द्वारा सामूहिक क्षमापना पर्व का आयोजन रविवार 31 अगस्त को किया गया था. सर्वप्रथम जैन स्थानक में सुबह 9 बजे साध्वी शासनदीपिका श्री आदर्शप्रभा म.सा. आदी ठाणा पांच तथा सरळमना प.पु. साध्वी श्री विरतीयशा श्रीजी मा.सा आदीठाणा तीन की उपस्थिती में यह क्षमायाचना पर्व मनाया गया.

इस अवसर पर ओसवाल संघ के अध्यक्ष अनिल बोथरा, वर्धमान स्थानकवासी श्रावकसंघ के अध्यक्ष अमृत मुथा, दादावाडी जैन संस्थान के अध्यक्ष भरत खजांची, भाजी बाजार स्थित जैन बडा मंदिर की ओर से एड. विजय बोथरा, राजेंद्र बच्चा, जैन छोटा मंदिर के सचिव प्रकाश भंडारी द्वारा श्री संघ की ओर से सामूहिक क्षमायाचना पर अपने विचार व्यक्त किए गए. इस अवसर पर

कार्यक्रम का संचालन सुरेश मुणोत ने किया.बडनेरा रोड स्थित जैन स्थानक में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे.सामूहिक क्षमापना पर्व पर ओसवाल समाज के लिए स्वामीवत्सल का आयोजन बडनेरा रोड स्थित नवैद्यम लॉन में किया गया है.

सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक चले इस आयोजन में समाज बंधुओं ने स्वामीवत्सल का लाभ उठाया. इस अवसर पर नैवेद्यम जैसी जगह उपलब्ध कराने के लिए संचालक घनश्याम खंडेलवाल का भी जैन समाज की ओर से सम्मान किया गया. इस अवसर पर अध्यक्ष अनिल बोथरा की अगुवाई में सचिव अनिल मुणोत, उपाध्यक्ष माणक ओस्तवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश साबद्रा, सहसचिव सुदर्शन चोरड़िया, अशोक धोका, शीतल भंसाली, रतन भंसाली, महेंद्र भंसाली, हरीश गांधी तथा कार्यकारिणी सदस्यों ने अपना अमूल्य सहयोग दिया.

इस आयोजन में सभी ओसवाल समाज कार्यकारिणी सदस्यों ने अपनी ओर से आर्थिक सहायता पहुंचाई थी, जिनका भी इस अवसर पर अध्यक्ष ने आभार व्यक्त किया. इस समयय समाज के बड़ी संख्या समाज बंधओं के लिए आने वाले समय में इसी प्रकार के आयोजन करने की बात भी अध्यक्ष अनिल बोथरा ने कहीं. वहीं विशेषकर नवयुवक मंडल के अध्यक्ष रोहित जैन की अगुवाई में नवयुवक मंडल में भी अपना सहयोग दिया.

शुभेच्छुक

प्रा.डॉ.अजय बोंडे व परिवार,इंदौर

सुख्यात शिक्षाविद तथा अनगिनत पुरस्कारों से सम्मानित, सेवाभावी कामों में सदा अग्रणी व्यक्तित्व

हवाई सफर होगा महंगा

नई दिल्ली- आने वाले समय में तेल व गैस की खोज और उत्पादन महंगा हो जाएगा. इसका कारण यह है कि जीएसटी काउंसिल ने इन सेवाओं पर कर को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है. नई कर दरें 22 सितंबर से लागू होंगी. हालांकि, इसमें इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) का लाभ मिल सकेगा.

रेटिंग एजेंसी इक्रा के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत वशिष्ठ का कहना है कि जीएसटी में यह बढ़ोतरी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन की लागत में वृद्धि का कारण बनेगी. चूंकि कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस जीएसटी के दायरे से बाहर हैं, इसलिए उत्पादन लागत में वृद्धि से करों का बोझ बढ़ेगा. अन्य सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है.

शुभेच्छुक

प्राचार्य सुधीर महाजन

व परिवार,इंदौर

प्राचार्य एवं राष्ट्रीय स्तर के प्रेरणादायी वक्ता तथा अनगिनत पुरस्कारों से सम्मानित

विदर्भ स्वाभिमान

मानवधर्म,माता-पिता सेवा को बढ़ावा देने वाला लोकप्रिय अखबार

यहां एजेंसी देना है

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान की धारणी, चिखलदरा, परतवाड़ा, दर्यापुर, अंजनगांव सुर्जी में एजेंसी देना है. इसके साथ ही यहां पर मेहनती युवकों की जरूरत है, जो विज्ञापन लाने और वसूली करने में सक्षम हैं. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें. समाचार पत्र में केवल मेहनती युवक-युवती ही संपर्क करें, जिन्हें अपनी मेहनत के भरोसे कामयाबी प्राप्त करने की चाहत हो. विज्ञापन प्रतिनिधि बनकर बेहतरीन कमाई का मौका भी है. दिलचस्पी रखने तथा मेहनत के साथ ही स्वयं का वाहन रखने वाले ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

www.vidarbhswabhiman.com

खुशियों के हर प्रकार के रंग

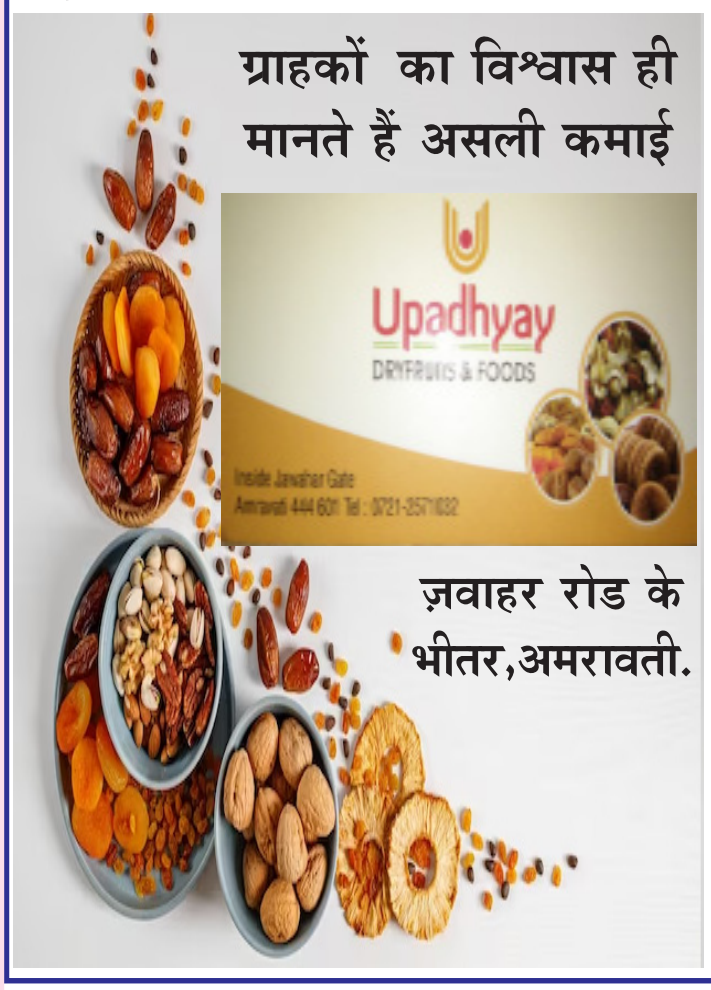

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHMN/2010/43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

भक्तीभाव और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है गणेशोत्सव

श्री अष्टविनायक गणेशोत्सव और माय फ्रैंड गणेशोत्सव में कहीं भजन तो सहीं स्पर्धा, छाया कॉलोनी में अपार

विदर्भ स्वाभिमान, 3 सितंबर

अमरावती-शहर के छाया कॉलोनी में गणेशोत्सव उताह के साथ मनाया जा रहा है.कहीं भजन तो कहीं विभिन्न स्पर्धाएं ली जा रही हैं. गणेशोत्सव के साथ ही अब बाप्पा की विदाई तथा महाप्रसाद की तैयारी भी शहर के कई मंडलों द्वारा की जा रही है. गणेशोत्सव का दर्शन करने के लिए तीन दिनों से भक्तों की भारी भीड़ है. तीन दिवसीय विसर्जन शहर में तय किया गया है. 8 सितंबर तक शहर के सभी गणेश मंडलों के बाप्पा को विदाई दी जाएगी.

छाया कॉलोनी में श्री अष्टविनायक गणेशोत्सव मंडल में अष्टविनायक भजनी मंडल का भजन कार्यक्रम तथा आरती का कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने लाभ लिया. इस दौरान सुभाष दुबे, आशीष ठोंबरे,

विजय भोयर के साथ ही भजन मंडल के अन्य कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भजनों ने समां बांधा. इस मौके पर राजेश बनारसे, दिनेश उपरीकर, भावना बनारसे के साथ क्षेत्रवासी उपस्थित थे.गणेश मंडल सहित 547 गणेश मंडलों क़े बाप्पा को विदाई देने की तैयारी की जा रही है. समाजसेवी राजेश बनारसे, विजय भोयर, दिनेश उपरीकर के मार्गदर्शन में मंडल के दक्ष बनारसे, श्रकांत तिड़के, भूषण बांबल,आर्यन काळे, अंकुश धोटे, अभिजीत नाईक, श्रेयस माला के साथ ही क्षेत्रवासी प्रयासरत हैं.

माय फ्रैंड में भक्तिभाव की गंगा

छाया कॉलोनी में ही विदर्भ स्वाभिमान गल्ली में स्थापित माय फ्रैंड गणेशोत्सव मंडल द्वारा स्थापित बाप्पा की मूर्ति जहां भक्तों का ध्यान खींच रही है, वहीं साफ-सफाई के साथ ही सुबह और शाम की आरती में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी भाग ले रहे हैं. मंडप के शानदार निर्माण से लेकर भक्तों के स्वागत के लिए मंडल के पदाधिकारियों द्वारा लगाया गया द्वार भी सभी का ध्यान खींच रहा है. मंडल के उपक्रम को सफल बनाने में सायन मलिक, सोम आगलावे, क्षितिज गावंडे,यश साहू, अथर्व चुटके के साथ ही छाया कॉलोनी के नागरिक प्रयास कर रहे हैं. इस मंडल की खूबी है कि मंडल के युवा कार्यकर्ताओं द्वारा कभी भी भक्तिगीत के शिवाय अन्य गाने नहीं लगाए. बेहतरीन सजावट के लिए मंडल को पुरस्कार भी घोषित किया गया.

बला की बारिश से हजारों करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली- वर्षा, भूस्खलन और बाढ़ के कारण पहाड़ से लेकर मैदान तक बड़ा नुकसान हुआ है. हजारों लोग बेघर हुए हैं, रोजगार धंचे बंद हैं तो फसलों को भारी क्षति पहुंचने से किसानों की कमर टूट गई है. हालात ऐसे हैं कि प्रशासन अभी नुकसान का सही आकलन करने की स्थिति में नहीं है. प्रारंभिक तौर पर सिर्फ जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में 27,190 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है.जम्मू-कश्मीर में हालिया बाढ़ ने आधारभूत ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचाया है. जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग एक सप्ताह से बंद है, जबकि 800 से अधिक सड़कें क्षतिग्रस्त हो चुकी है. खेतों में पानी भरने से सब्जी की फसल बर्बाद हो गई है और धान की फसल भी प्रभावित हुई है.प्रारंभिक आकलन के अनुसार, नुकसान बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है, लेकिन अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है. इस आपदा में 142 लोगों की जान गई है और 25 हजार से अधिक लोगो को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है.14 पुल बाद और भूस्खलन में क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 1600 गांव प्रभावित है. अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा चौकियों और निगरानी उपकरणों को भी नुकसान पहुंचा है. श्री माता वैष्णो देवी यात्रा नौ दिन से स्थगित है और स्कूल-कालेज भी बंद है.

शुभेच्छुक

पंकज मुदगल व परिवार

व्यवस्थापकीय अधीक्षक, डॉ. नरेन्द्र भिवापुरकर अंध कर्मशाळा, जेल क्वार्टर रोड, अमरावती.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य

1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

हर व्यक्ति के दिल में रहते हैं विकास के पैरोकार सचिन भेंडे

अभी तक साईंनगर प्रभाग में करोड़ों के विकास काम किए, करोड़ों क़े विकास काम अभी भी प्रस्तावित,निधि मंजूर

विदर्भ स्वाभिमान, 3 सितंबर

जीवन में किया गया कोई भी काम कभी बेकार नहीं जाता है. इसका उदाहरण समाजसेवी तथा युवा नेता के रूप में उभर रहे सचिन भेंडे को कहा जा सकता है. अपने साईंनगर प्रभाग में विकास की जहां उन्होंने विधायक रवि राणा तथा पूर्व लोकप्रिय सांसद नवनीत राणा के माध्यम से गंगा बहाई है, वहीं क्षेत्रवासियों के दिल में भी जगह बनाने में सफल रहे हैं. प्रभाग ही नहीं तो शहर के विभिन्न गणेश मंडलों में उनके हाथों आरती होने के अलावा क्षेत्रवासियों का लगातार अपार प्रेम मिल रहा है. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में सचिन भेंडे ने कहा कि उनका सपना साईंनगर प्रभाग को अमरावती के नंदनवन के रूप में स्थापित करना है.

विकास के साथ ही युवाओं को रोजगार के विजन पर काम करने वाले सचिन भेंडे ने सैकड़ों युवाओं को रोजगार दिया है.अपनी मेहनत, लगन, स्वभाव के कारण सब दिलों में जगह बना लेते हैं, इसका पता नहीं चलता है. साईंनगर प्रभाग में हर घर के सदस्य जहां उन्हें सुख-दुख का साथी कहते हैं, वहीं दूसरी ओर उनसे अपनी हर तरह की समस्या बताते हैं और उनका मार्गदर्शन लेते हैं. वे कहते हैं कि साईंनगर प्रभाग के नागरिकों का सबसे बड़ा विश्वास और प्रेम ही उन्हें विकास कामों के लिए प्रेरित करता है. वे कहते हैं कि राजनीति उनके लिए सेवा का माध्यम रहेगी. वे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए राजनीति में उतर रहे हैं. समाजसेवा तथा व्यवसाय में कामयाबी के बाद समाज के लिए कुछ करने की चाहत के चलते राजनीति में आकर्षित होने की बात वे कहते हैं. उनके मुताबिक जिस प्रकार राणा दम्पति राजनीति से अधिक समाजसेवा को महत्व देते हैं, वे भी उसी तरह सेवाभावना के साथ ही साईंनगर क्षेत्र के साथ ही शहर विकास में अपना योगदान देने के लिए राजनीति में उतर रहे हैं. लोगों के मुताबिक उनके जैसे युवा नेता के राजनीति में आने से निश्चित ही नई उम्मीद जगेगी और विकास को पंख मिलेंगे. क्षेत्र निवासियों का कहना है कि जो व्यक्ति बिना किसी पद पर रहते हुए प्रभाग में करोड़ों रूपए के विकास काम करने की ताकत रखता है, उन्हें मौका मिलने पर निश्चित तौर पर प्रभाग का कायाकल्प होने वाला है.

युवाओं में लोकप्रिय-प्रभाग ही नहीं तो सचिन भेंडे की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शहर में विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें बतौर प्रमुख अतिथि बुलाया जाता है, उनके कार्यों का उदाहरण देने के साथ ही सत्कार जैसा कार्यक्रम होते हैं. गणेशोत्सव मंडल हों, दुर्गोत्सव मंडल हों अथवा अन्य कोई भी कार्यक्रम किसी को खाली हाथ नहीं लौटाते हैं. यथासंभव मदद करने के कारण उनकी लोकप्रियता क्षेत्र में बढ़ी है और भावी नगर सेविक के रूप में क्षेत्रवासी उन्हें देख रहे हैं.

साई नगर प्रभागाच्या विकासासाठी कटिबद्ध सचिन भेंडे यांच्या प्रयत्नाने प्राप्त निधिने विविध विकास कामाचे शुभारंभ होत आहे, आपण सगळे आमंत्रित आहात.

मा. सौ. नवनित राणा
माजी खासदार

आ. रवि राणा

मा. श्री. रविभाऊ राणा आमदार निधी मधून श्री. विघ्नहर्ता गणेश मंदिर प्रांगण, वडनेरकर वाडी, साईनगर, अमरावती येथील सभागृह बांधकामाचा

भुमिपूजन सोहळा

आयोजित केला आहे. तरी आपली उपस्थिती प्रार्थनिय आहे.

शुभ हस्ते

मा. आमदार रविभाऊ राणा
(आमदार, बडनेरा विधानसभा क्षेत्र)

प्रमुख उपस्थिती

मा. सौ. नवनितजी राणा
(माजी खासदार, अमरावती)

अतिथी

मा. श्री. सचिनजी भेंडे
(कार्याध्यक्ष, युवा स्वाभिमान पार्टी)

गुरुवार, दि. ०४/०९/२०२५ रोजी,
सायं.०६.०० वाजता

: स्थळ :
श्री. विघ्नहर्ता गणेश मंदिर प्रांगण, वडनेरकर वाडी, साईनगर, अमरावती

विनित
अध्यक्ष तथा समस्त पदाधिकारी गण,
श्री. विघ्नहर्ता क्रिडा व बहुउद्देशिय मंडळ,
वडनेरकर वाडी, उदय कॉलनी नं. २,
नित्यानंद कॉलनी मधील समस्त नागरिक

विदर्भ स्वाभिमान खटकता सच

निजी नौकरी के 35 साल के दौरान निष्ठा, समर्पण का भाषण कई बार सुनने का मौका मिला लेकिन दुर्भाग्य यह रहा कि इसकी कदर करने वाले नहीं समान हैं. अपेक्षाओं लोग बहुत रखते हैं लेकिन बात जब स्वयं पर आती है तो नीति,सिद्धांत भूल जाते हैं. कोरोना महामारी के दौरान इसका अनुभव मुझे लगता है कि ऐसे लोगों ने किया, जिन्होंने जीवन के कीमती कई साल इस प्रोफेशन को दिया है. इसलिए पद का घमंड कभी नहीं करना, क्योंकि कब पद चला जाता है,पता नहीं चलता है. लेकिन लोगों की दुवाएं ही पद पर रहने पर कमाने का प्रयास करना. यह सदेव सम्मानित रखती है.

सुभाष दुबे संपादक www.vidarbhswabhiman.com

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

मराठा के बाद ओबीसी आरक्षण के लिए आक्रामक

एक को मनाया तो दूजा रूठ जाता है, मुख्यमंत्री फड़णवीस लगे समझाने में

विदर्भ स्वाभिमान, 3 सितंबर

मुंबई- आरक्षण का भूत इन दिनों मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के लिए लगातार समस्या पैदा कर रहा है. उनकी स्थिति एक को मनाता हूं तो दूजा रूठ जाता है, जैसी हो गई है. मराठा आरक्षण के बाद राज्य में अब ओबीसी ने अब आक्रामक रास्ता अख्तियार कर लिया है. मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि सरकार किसी का हक छीनकर दूसरे को नहीं देने वाली है. यह मामला लगातार गर्मा रहा है. मामले में ओबीसी नेताऔर कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल भी सरकार से नाराज हैं और यही कारण है कि वे मंत्रिमंडल की बैठक में शामिल नहीं हुए और ओबीसी नेताओं की बैठक लेकर इसमें सरकार के रवैये पर नाराजी जताई.

मराठा एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के बीच आरक्षण की खींचतान में उलझी फडणवीस सरकार ने मराठों को कुनबी का दर्जा देने के लिए हैदराबाद एवं सातारा गजेटियर को प्रमाण मानने की मांग स्वीकार कर उन्हें संतुष्ट करने का प्रयास किया.

अब वह इसी शासनादेश से नाराज ओबीसी वर्ग को भी संतुष्ट करने की कोशिश कर रही है. इसी कोशिश के तहत मुख्यमंत्री फडणवीस ने आज छगन भुजबल से बात की, तो उनके एक मंत्री अतुल सावे नागपुर में ओबीसी महासंघ की ओर से चल रहा अनशन तुड़वाने में सफल रहे.

मराठा समुदाय को कुनबी (खेतिहर मराठा) का दर्जा देकर उन्हें ओबीसी समाज के लिए निर्धारित 27 प्रतिशत आरक्षण के तहत ही आरक्षण देने की मांग को लेकर मराठा आंदोलनकर्ता मनोज जरांगे पाटिल मुंबई में अनशन पर बैठे थे. दो सितंबर को सरकार ने उनकी आठ में से छह मांगें मान लीं.

मराठवाड़ा एवं पश्चिम महाराष्ट्र के मराठों को कुनबी का दर्जा-सरकार ने एक शासनादेश भी जारी कर दिया, जिसमें कहा गया है कि मराठवाड़ा एवं पश्चिम महाराष्ट्र के मराठों को कुनबी का दर्जा देने के लिए आजादी से पहले के हैदराबाद एवं सातारा गजेटियर को प्रमाण स्वरूप माना जाएगा.

लेकिन यह लाभ सामूहिक रूप से नहीं मिलेगा. बल्कि इसका लाभ चाहनेवालों को व्यक्तिगत रूप से आवेदन करना होगा. उनके आवेदन की पड़ताल की जाएगी.

सही पाए जाने पर ही उन्हें कुनबी का दर्जा दिया जाएगा. इस शासनादेश के बाद से ओबीसी समुदाय में विरोध के स्वर देखे जा रहे हैं.

ओबीसी महासंघ के अध्यक्ष बबनराव तायवाड़े नागपुर में पहले से ही अनशन पर बैठे थे. राज्य के सबसे बड़े ओबीसी नेता एवं राज्य सरकार में वरिष्ठ मंत्री छगन भुजबल ने बुधवार को कैबिनेट की बैठक का बहिष्कार किया. कुछ ओबीसी नेताओं ने मराठों के समर्थन में जारी शासनादेश की प्रतियां फाड़कर विरोध जताया.लेकिन आज पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि छगन भुजबल कैबिनेट का बहिष्कार नहीं किया है. मैंने स्वयं उनसे बात करके उन्हें समझाया है कि मराठों के संबंध में जारी शासनादेश का कोई नुकसान ओबीसी समाज को नहीं होने दिया जाएगा. ये पूर्ण आरक्षण का जीआर नहीं है, बल्कि एक दस्तावेज को प्रमाण मानने का जीआर है. मराठवाड़ा के सबूत हैदराबाद गजट में हैं, इसलिए उसे इसमें शामिल किया गया है.इसके अनुसार जो लोग वास्तव में आरक्षण के हकदार हैं, उन्हें आरक्षण मिलेगा. ओबीसी संगठनों ने भी इसका स्वागत किया है. छगन भुजबल एवं अन्य ओबीसी नेताओं के मन में जो शंकाएं हैं, उन्हें हम दूर करेंगे. हम मराठों का आरक्षण मराठों को देंगे. ओबीसी का आरक्षण ओबीसी को देंगे. हम किसी एक का अधिकार किसी दूसरे को नहीं देंगे. मुख्यमंत्री इस स्थिति को निपटने में कैसे सक्षम होते हैं, इस पर पूरे प्रदेश की निगाहें लगी हैं. आरक्षण का भूत फिर एक बार राज्य सरकार को तकलीफ दे रहा है. इसका क्या नतीजा निकलेगा, इस पर निगाहें लगी हैं.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

दुग्धपूर्णा

हळवीशी हाक
कुणाला कुणाची
फुले प्राजक्ताची
अलवार
तृष्णेच्या हाकेला
उत्तरली काया
तृप्तीची ही माया
खरीच ती

पुरूषोत्तम पाटील

तृष्णा तृप्तीच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये

शितपेयाचा राजा
दुग्धपूर्णा
राजकमल चौक, अमरावती